Deg-2
Sub.

शेरशाह का सैन्य प्रबन्ध

शेरशाह एक योग्य शासक था। वह सैन्य संगठन की महत्ता जानता था। अतः उसने अपने सुधारों द्वारा सैन्य संगठन को अत्यन्त कुशल बना दिया। डॉ० कानूनगो के अनुसार, "शेरशाह ने अलाउद्दीन की सैनिक प्रणाली को पुनर्जीवित करके वास्तविक रूप में सेना को शाही संख्या बना दिया। ~~सेर~~ शेरशाह ने कुछ ऐसे सैन्य सुधार भी किये थे, जिन्हें अलाउद्दीन नहीं कर पाया था।

शेरशाह की सेना के सम्बन्ध में समकालीन लेखकों के अनुसार 1½ लाख घुड़सवार, 25 हजार प्यादे (पैदल) एवं पाँच सौ हाथी थे। इसके अलावा सूबेदारों एवं स्थानीय अधिकारियों के पास एक लाख घुड़सवार तथा पाँच हजार प्यादे थे। सेना कई भागों में विभाजित थी। प्रत्येक भाग का प्रधान एक सेनापति होता था। शेरशाह के पास कुशल तोपखाना भी था। सैनिक धनुष तथा तोड़ेदार बन्दूक से लड़ते थे।

सैनिकों की भर्ती स्वयं सम्राट करता था। उन्हें योग्यतानुसार वेतन दिया जाता था। शेरशाह ने अपनी सेना में कड़ा अनुशासन स्थापित किया। डॉ० कानूनगो के अनुसार " शेरशाह के शिविर का अनुशासन इतना ~~कड़~~ कड़ा था कि केवल एक ही अभियान में भाग लेनेवाला एक अनाड़ी सैनिक कुशल योद्धा बन जाता था।"